

4,3,12. MĀRK. P. 61,29. DAČAK. in BENF. CHR. 187,15. PAÑKĀT. 221,12. रथमारुह्य — प्रयौ ज्वनेर्कथैः MBH. 3,2848. ततः प्रायामहं तेन स्पन्दनेन 12068. R. GORR. 2,44,25. रथेन खरयुक्तेन प्रयातो दत्तियामुखः R. SCHL. 2,69,15. नैभिः प्रयाताः 1,9,41 (9 GORR.). MBH. 1,5586. सेना प्रयाता R. 2,92,36. 3,54,9. RAGH. 2,6,16,28. KATHĀS. 51,173. 54,150. VARĀH. BRH. S. 33,30. 88,24. RĪĀA-TAR. 1,301. PRAB. 88,4. PAÑKĀT. 168,22. प्रयाय-ताम् (3. sg. imper. pass. impers.) MBH. 12,12077. युवभिः प्रयये (pass. impers.) ÇIÇ. 9,70. इतो ऽन्यतः प्रयातुम् Spr. 2369. गृहात् KATHĀS. 16,88. उज्जयिन्याः 18,86. 24,89. 25,37. 56,73. रयात् 50,16. हारम् SŪRJAS. 7,24. RĪĀA-TAR. 5,147. हारप्रयात 4,410. स्वगृहाभिमुखम् HIT. 42,14. अस्माहोकादमुं लोकं प्रयाताः MAITRĀJ. 1,4. दत्तियां दिशम् MBH. 1,5876. 3,240. 2616. 3058. 5,5079 (med.). 7106. 7342. 7503. 13,4889. HARIV. 8422. R. 1,4,93. 2,40,18. 49,9. 80,4. 96,28. R. GORR. 1,26,5. 5,27,16. RAGH. 12,25. SŪRJAS. 12,72. आकाशं विपुलम् Spr. 2083. 3928. KATHĀS. 10,8. 13,132. 18,145. 21,22. 52,258. 56,56. BHĀG. P. 1,10,33. 2,2,24. 3,4,4. MĀRK. P. 43,15. BHĀṬṬ. 3,36. नरकम् PRAB. 21,2. विन्ध्यवासिनीम् KATHĀS. 54,160. शत्रुबलम् ziehen gegen HARIV. 13161. ये मां युद्धे प्रयास्यन्ति (ऽभियोगस्यन्ति ed. Bomb.) तान्कृन्विष्यामि MBH. 7,7159. शङ्कूटं सा प्रयाता वै महानदी MĀRK. P. 56,17. पर्वतं मन्दरं दिव्यमेघ पन्थाः प्रयास्यन्ति MBH. 3,10900. यानि यानि योनिज्ञातानि MĀRK. P. 14,95. तत्र MBH. 13,4890. HIT. 84,10. KATHĀS. 26,14. पुरं प्रति MBH. 3,15081. KATHĀS. 18,392. तो भद्रां प्रति 289. पुण्यवनाय BHĀṬṬ. 1,25. वनवासाय R. 2,43,1. MBH. 3,785. द्रौपदीं द्रष्टुम् 1,6925. R. GORR. 2,23,24 (wo क्तुं zu lesen ist). KATHĀS. 18,86. असवः प्रयासिन् entfliehen Gīt. 10,11. मम प्राणाः प्रयासुः KATHĀS. 18,187. sich auf den Weg machen so v. a. sterben BHĀG. 8,5. प्रयातः gestorben 23. verfließen, vergehen: प्रयाताः सप्त वासराः KATHĀS. 4,23. vergehen, verschwinden; von Krankheiten Verz. d. Oxf. H. 234,b,5. ललाटलेखा न पुनः प्रयाति Spr. 4948. BĀLAB. 17. auseinanderfliegen: यथा प्रयासिन् संयासिन् श्लेतेविगेन वालुकाः Spr. 4787. त्रुटतक्तुं मुक्ताज्ञालमिव प्रयाति कटिति क्षण्यदिशः 3003. — 2) = या wandeln, gehen, sich bewegen, fahren: यं च पन्थानमाक्रम्य प्रयाति मनुजेश्वरः R. 5,81,22. प्रजासु कः केन यथा प्रयाति ÇĀK. 133. (सारङ्गः) वियति वज्रतरं स्तेकमूर्ध्यां प्रयाति 7. रात्रिं दिवं गन्धर्वकः प्रयाति 101. इह तुरगशतैः प्रयासु मूलाः Spr. 431. अप्रयासु sich nicht bewegend MBH. 3,7173. प्रयात (sich in Bewegung gesetzt habend) = प्रयासु gehend, sich bewegend, fliegend: प्रयाति तु रथे MBH. 3,2809. सो ऽपश्यद्वैसयुगलं प्रयातं गगणे निशि KATHĀS. 3,27. — 3) sich benehmen: तन्मित्रमापदि मुखे च समं प्रयाति Spr. 1926, l. l. — 4) in einen Zustand, eine Lage, ein Verhältniss gerathen, theilhaftig werden: निज्ञां गतिम् KATHĀS. 32,409. निधनम् Spr. 3346. परितापदुःखम् 2931. निद्राम् R. 4,14. कोपस्य वशम् VARĀH. BRH. S. 68,110. निष्ठाम् HARIV. 8464. fg. मुदम् MĀRK. P. 74,45. Spr. 618. भवं योनिशतेषु JĀĀN. 3,131. सङ्गम् R. 4,3,6,6. पराभवम् MBH. 4,902. Spr. 3241. उदयम्, क्षयम् 3783. MĀRK. P. 112,10. विरामम् Spr. 2385. नाशम् VARĀH. BRH. S. 84,1. समाप्तिम् Spr. 2460. परमो वृद्धिम् 3763. सौख्यम् 1391. R. 6,4. मानुष्यम् KATHĀS. 27,71. पारमेष्ठ्यम् BHĀG. P. 2,2,22. स्वैर्यम् MĀRK. P. 24,56. सम्पुलवम् MAITRĀJ. 3,2. विषमत्वम् 5,2. अत्यप-त्तिस्थावर्ताम् JĀĀN. 3,131. साधनीयताम् Spr. 167. देवत्वम् 171. 500. KĀM. NĪTIS. 15,9. RĪĀA-TAR. 1,283. MĀRK. P. 23,65. BHĀṬṬ. 6,49. SARVADAR-

ÇANAS. 170,9. — Vgl. प्रया, प्रयाणि fgg., प्रयामन् fgg., प्रयियु, गपोशभुङ्ग-प्रयात, चापडवृष्टिं, भुङ्गं. — caus. प्रयापयमाण KĀÇ. zu P. 8,4,29. प्रयाप्यमाण und प्रयाप्यमान Schol. zu P. 8,4,30. aufbrechen heissen ÇAT. Br. 11,8,2,3. Vgl. प्रयापण fgg. — desid. sich auf den Weg machen wollen: राजानं प्रयियासत्तम् ÇAT. Br. 14,7,1,44. — caus. vom desid.: veranlassen, dass Jmd sich auf den Weg machen will: प्रयियासयत्तः BHĀṬṬ. 3,25.

— अनुप्र auf dem Wege nachfolgen TBH. 3,7,1,1. den Weg einschlagen nach: आघातमग्नानुप्रयामि शामित्रमालब्धुमिवाधरे ऽज्ञः MĀRK. 161,12. nach Jmd (acc.) aufbrechen, Jmd begleiten: तं प्रयासन्नुप्रयातम् MBH. 5,2949. R. GORR. 2,33,7. पृष्ठतो ऽनुप्रयातानि (mit act. Bed.) 43,23 (45,22 SCHL.). अनुप्रयात begleitet von KUMĀRAS. 3,23,52.

— अभिप्र herbeikommen zu: अग्निं प्रिया मरुतो या वो अष्टया कृष्या मित्रं प्रयायन् RV. 8,27,6. aufbrechen MBH. 4,1650. R. 5,73,15. दिशं दत्तियापश्चिमाम् KATHĀS. 101,174. वनम् R. 2,31,37. अभिप्रयातस्य वनं चिराय ते 23,43. angreifen: अभिप्रयामि संग्रामे पदहं युद्धदुर्मदान् MBH. 4,1381. परं चाभिप्रयातस्य चक्रं तस्य मकृत्तमनः । भविष्यति चाप्रतिकृतं सततं चक्रवर्तिनः ॥ 1,2983. — Vgl. अभिप्रयायम्, अभिप्रयायिन्.

— उपप्र herbeikommen, — fahren; sich aufmachen zu RV. 1,82,6. संप्रयामम् TS. 2,2,4,2. 3. ÇĀK. Br. 22,9.

— परिप्र herbeikommen zu: यूयं हि देवीः परिप्रयाद्य भुवनानि स्युः RV. 4,31,5.

— प्रतिप्र heimkehren RV. 1,169,6. MBH. 3,10287. स्वगृहम् IṬI. bei ŚĀJ. zu RV. 1,123,1. प्रतिप्रयात MBH. 12,8330. R. 3,1,1. 6,103,1. 7,64,18. RAGH. 14,19. Verz. d. Oxf. H. 117, a, 5 (hier vielleicht ०यात्तं zu lesen). zurückfliessen SHAPV. Br. 3,10. — Vgl. प्रतिप्रयाण.

— विप्र auseinandergehen, — laufen: विप्रयातर्यानीकाः MBH. 6,2131. 7,3760. 9,1055. An der ersten Stelle die ed. Bomb. विप्रदुत्.

— संप्र 1) (zusammen) aufbrechen, hingehen zu ÇĀK. ÇA. 2,16.1. MBH. 1,4645. 2,2517. तदनीकं विराटस्य प्रुप्रभे — संप्रयातं (= संप्रयातुः संप्रयातं ed. Bomb.) तदा राजन्निरीतत्तं (d. i. निरीतत्तं = निरीतमाणम्) गवां पदम् 4,1034. 5,3463. 5154. HARIV. 4461. 10911. 11071. R. GORR. 2,101,40. 5,33,27. 7,14,2. नक्षत्रं संप्रयास्यामि पुरम् MBH. 3,15082. ब्रह्मणाः सदनम् 13,1851. नभस्तलम् R. 3,60,1. 5,33,13. 7,18,19. ततो दिवाकरो राशिं संप्रयाति च कर्कटम् Verz. d. Oxf. H. 46,a,42. (नदी) संप्रयात्युत्तरान्बुद्धन् MBH. 6,278. संप्रयादाश्रमं प्रति 3,16857. sich bewegen (von Gestirnen): (यथा) येनासौ संप्रयास्यति SŪRJAS. 6,16. नखरैः संप्रयातः mit Nägeln zu Werke gehend, sich der Nägel bedienend MBH. 12,8863. — 2) (zusammen) in ein Verhältniss, eine Lage, einen Zustand gerathen: समताम् VARĀH. BRH. S. 17,2. उच्छिक्तीः MĀRK. P. 121,28.

— अनुसंप्र hingehen AV. 11,1,36.

— अभिसंप्र hingehen, sich nähern MBH. 6,3762. संवारिपिञ्जनाभिवार-पित्वा ed. Bomb. st. आवारिपिञ्जनाभिसंप्रयाय der ed. Calc.

— उपसंप्र hingehen VS. 13,53.

— प्रति 1) herkommen zu: उभा यातं प्रति कृष्यानि वीतये RV. 8,90. 7. hingehen zu: भानावस्तं प्रतिपाते महीधम् MBH. 3,7216. सूतपुत्रयं प्रति । प्रतिपातम् आयातं तु ed. Bomb.) 7,7844. losgehen auf Jmd (acc.) HARIV. 5608. रयाय वीरः प्रतिपातवृद्धिः gerichtet auf R. 5,43,14. — 2)